Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B. A. Philosophy (Semester: Second)

Philosophy

सांख्यदर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सांख्यदर्शन में वर्णित मुक्ति की भ्रान्त अवधारणाओं को सप्रमाण निराकरण करें।
2. "ईश्वर जगत की उत्पत्ति में उपादान कारण नहीं है" – इस सिद्धान्त को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
3. ध्वन्यात्मक वेद की अनित्यता और अपौरुषेयत्व को स्पष्ट करें।
4. अविद्या को जगत का उपादान कारण मानने में क्या दोष है? विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. मुक्ति की प्राप्ति केवल श्रवणमात्र स नहीं होती, इस कथन की पुष्टि दृष्तान्तपूर्वक करें।

खण्ड–ब
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. "न भोगाद्रागशान्तिर्मुनिवत्" इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
2. व्याप्ति का स्वरूप क्या है तथा व्याप्ति के कितने भेद होते ह? समझाइये।
3. आत्मा के बंधन का कारण क्या है? इस संदर्भ में महर्षि कपिल एवं अन्य आचार्यों का विचार प्रस्तुत करें।
4. सांख्य के अनुसार मुक्ति का क्या स्वरूप है? तथा मुक्ति के साधनों का उल्लेख करें।
5. चतुर्थ अध्याय के अनुसार साधक को किन–किन संदर्भो में सावधान रहना चाहिए?
6. शब्द एव अर्थ के संबन्धों का ग्रहण हमें कैसे होता है? स्पष्ट करें।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. सांख्यदर्शन में कुल कितने अध्याय हैं?
(अ) चार (ब) छः
(स) आठ (द) बारह

2. सांख्यदर्शन के अंतिम अध्याय में कुल कितने सूत्र हैं?
(अ) 129 (ब) 32
(स) 70 (द) 72

3. योनियाँ कितने प्रकार की होती है?
(अ) चौदह (ब) आठ
(स) तीन (द) चार

4. सांख्यदर्शन का दूसरा नाम क्या है?
(अ) सांख्यसप्तति (ब) षष्टितन्त्र
(स) धातुवृत्ति (द) तत्त्व समास

5. महर्षि कपिल के पिता का क्या नाम था?
(अ) मनु (ब) भृगु
(स) आत्रेय (द) इनमें से कोई नहीं

6. महर्षि कपिल ने सांख्य दर्शन में मुख्य रूप से कितने तत्त्व को स्वीकार किया है?
(अ) सोलह (ब) सात
(स) चौबीस (द) पच्चीस

7. सांख्यशास्त्र से संबन्धित ग्रन्थ निम्नलिखित में से कौन–सा है?
(अ) तत्त्वसमास (ब) अष्टाध्यायी
(स) लिङ्गानुशासन (द) उपरोक्त सभी

8. सांख्यदर्शन "कर्त्ता" किसको मानता है?
(अ) ईश्वर (ब) आत्मा
(स) अहंकार (द) पञ्चभूत

9. सांख्य के आचार्य निम्नलिखित में–से कौन है?
(अ) पञ्चशीखाचार्य (ब) आसुरि
(स) सनन्दनाचार्य (द) उपरोक्त सभी

10. देह कितने प्रकार के होते है?
(अ) तीन (ब) चार
(स) पाँच (द) इनमें से कोई नहीं

----------x----------